अथ पद्मपुराणोक्तं कार्तिकमासमाहात्म्यं

भाषार्थबोधिनीटीकोपेतम् ।

49. 3. 30

सन् १८६७ के आक्ट २५ अनुसार रजिष्टरी सब हक्क प्रकाशकने अपने अधीन रखा है ।